दिल्ली ऊर्जा विकास अभिकरण को हुआ घाटा

1121. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री रणजीत सिंह :
श्री राम जेठमलानी :

क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली ऊर्जा विकास अभिकरण दिल्ली महानगर में बिना धुएं की बसें चला रहा है, यदि हां, तो 31 अक्तूबर, 1991 की स्थिति के अनुसार उक्त अभिकरण के बेड़े में कितनी बसें हैं ;

(ख) 1985 में इस योजना की शुरूआत में कितनी बसें थीं और बेड़े में अधिकाधिक कितनी बसें रही हैं तथा बसों की खरीद पर कुल कितनी राशि खर्च की गई;

(ग) क्या यह सच है कि उक्त अभिकरण को निरन्तर आर्थिक हानि हो रही है; और

(घ) यदि हां, तो उक्त अभिकरण को कितनी हानि हुई है और सरकार द्वारा 31 मार्च, 1991 तक विभिन्न मदों पर कुल कितना पूंजीगत निवेश किया गया ?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) जी हां। दिल्ली ऊर्जा विकास एजेंसी (डेडा) द्वारा दिल्ली में वर्ष 1985 में भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रदूषण-रहित यातायात उपलब्ध कराने और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अंतर्गत बैटरी-चलित वाहनों के परीक्षण के लिए 5 बैटरी-चालित वाहनों के साथ एक विकास और प्रदर्शन परियोजना शुरू की गई थी। उसके बाद अगले चार वर्षों में कुल 2.68 करोड़ रुपए की लागत के साथ बैटरी-चालित वाहनों की संख्या 101 तक पहुंच गई। दो बैटरी-चालित बसें इस बेड़े से हटा दी गई और 31 अक्तूबर, '91 तक दिल्ली ऊर्जा विकास एजेन्सी के पास 99 बैटरी चालित वाहनों का बेड़ा था।

(ग) और (घ) बैटरी चालित वाहन प्रदर्शन परियोजना के अलावा दिल्ली ऊर्जा विकास एजेन्सी अक्षय ऊर्जा के विकास और संवर्द्धन के लिए समन्वित ग्राम ऊर्जा योजना, सौर जल तापन प्रणालियां, सौर कुकर, कूड़े के खत्तों से बायोगैस निकालना, राष्ट्रीय उन्नत चूल्हा कार्यक्रम जैसी विभिन्न योजना कार्यान्वित कर रही है और इस एजेन्सी ने बकौली में एक प्रशिक्षण केन्द्र खोला है। इन योजनाओं के लिए भारत सरकार तथा दिल्ली प्रशासन द्वारा वित्त उपलब्ध कराया जाता है और अक्षय ऊर्जा युक्तियों तथा प्रणालियों के संवर्द्धन के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। इन कार्यकलापों की प्रकृति वाणिज्यिक नहीं है और इसलिए इनसे कोई हानि नहीं होती।

दिल्ली ऊर्जा विकास एजेन्सी को केवल बैटरी-चालित वाहन प्रदर्शन सेवा से 31 मार्च, 1991 तक 1.48 करोड़ रुपये की कुल हानि हुई। प्रदर्शन परियोजना के रूप में वसूल किए गए प्रभार लागत से कम है।

समन्वित ग्राम ऊर्जा योजना, सौर जल तापन प्रणालियों, सौर कुकर और कूड़ा खत्ते से गैस जैसी योजनाओं में स्थिर सम्पत्तियों के सम्बन्ध में पूंजीगत निवेश 31 मार्च, 1991 तक 1.24 करोड़ रुपये है। इसके अलावा समन्वित ग्राम ऊर्जा योजना के अंतर्गत बकौली में स्थापित प्रशिक्षण केन्द्र के लिए पूंजीगत निवेश 1.85 करोड़ रुपये है। बैटरी चलित वाहनों और पार्किंग, चार्जिंग तथा रख-रखाव से सम्बन्धित अधसंरचना पर कुल पूंजीगत निवेश 31 मार्च, 1991 तक 2.93 करोड़ रुपये है।